सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४ -२५

कक्षा:-चार **विषय:हिंदी** **पाठ:8 बुद्धिमान कौन ?**

कठिन शब्द

1)कार्तिकेय

2)मूषक

3)मोदक

4)व्याकुल

5)परिक्रमा

6)सृष्टि

7)मुकाबला

8)विश्व

9)घोषित

10)व्यतीत

11)चतुराई

12)प्रभावित

13)स्वीकार

14)हैरानी

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1) गणेश और कार्तिकेय में क्या विशेषताएँ थी ?

उत्तर गणेश और कार्तिकेय बहुत शक्तिशाली एवं बुद्धिमान थे ।

प्रश्न2)गणेश और कार्तिकेय की बहस से कौन व्याकुल हो उठा ?

उत्तर गणेश और कार्तिकेय की बहस से उनके माता-पिता तथा हिमालय पर्वत के पेड़ पौधे तथा पशु पक्षी सभी व्याकुल हो उठे ।

प्रश्न3)कार्तिकेय ने अपनी हार क्यों स्वीकार कर ली ?

उत्तर गणेश जी की बुद्धिमत्ता और चतुराई के बारे में सुनकर कार्तिकेय ने अपनी हार स्वीकार कर ली ।

प्रश्न4)गणेश जी ने अपने वाहन मूषक पर परिक्रमा क्यों नहीं की ?

उत्तर गणेश जी का वाहन मूषक कार्तिकेय के वाहन मयूर की गति का मुकाबला नहीं कर सकता था । इसलिए गणेश जी ने अपने वाहन पर परिक्रमा नहीं की।

प्रश्न5)कार्तिकेय जी को क्या देखकर हैरानी हुई ?

उत्तर जब कार्तिकेय जी अपने वाहन मयूर पर पूरी सृष्टि की परिक्रमा कर वापस पहुँचे तो गणेश जी को पहले से ही वहाँ पर देखकर उनको हैरानी हुई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न1) गणेश और कार्तिकेय के झगड़े को समाप्त करने के लिए शिव जी ने उनसे क्या कहा ?
उत्तर गणेश और कार्तिकेय के झगड़े को समाप्त करने के लिए शिवजी ने कहा कि उन दोनों में से जो पूरे विश्व की सात बार परिक्रमा करके उनके पास सबसे पहले लौटेगा, वे उसे ही बुद्धि और शक्ति में महान मानेंगे ।

प्रश्न2)अपने पिताजी की बात सुनकर कार्तिकेय ने क्या किया ?

उत्तर अपने पिताजी की बात सुनकर कार्तिकेय ने जल्दी से अपने वाहन मयूर को बुलाया और अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेकर विश्व की परिक्रमा करने के लिए निकल पड़े ।

प्रश्न3) गणेश जी ने अपने माता-पिता की परिक्रमा करने के बाद उनसे क्या कहा ?

उत्तर गणेश जी ने अपने माता-पिता की परिक्रमा करने के बाद कहा कि माता-पिता से बढ़कर विश्व में कोई नहीं होता । उनकी सात बार परिक्रमा करना गणेश जी के लिए सृष्टि की सात बार परिक्रमा करने के समान है ।

प्रश्न4) कार्तिकेय की खुशी का क्या कारण था ?

उत्तर जब कार्तिकेय जी सृष्टि की सात बार परिक्रमा करके अपने माता-पिता जी के पास पहुँचे तब वह यह सोचकर खुश थे, कि गणेश जी को तो परिक्रमा पूरी करने में अभी समय लगेगा और उनसे जल्दी पहुँचने पर उन्हें बुद्धिमान और शक्तिशाली घोषित कर दिया जाएगा।

प्रश्न5)इस पाठ से हमें क्या सीख मिलती है ?

उत्तर इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि माता-पिता भगवान के समान होते हैं और उनकी पूजा करना भगवान की पूजा करने के समान है। इसलिए सदैव माँ बाप की सेवा करनी चाहिए ।

रिक्त स्थान भरिए ।

1)पुत्र की <u>विनती</u> सुनकर शिव और पार्वती जी आसनों पर बैठ गए।

2)एक बार दोनों भाइयों में <u>बहस</u> छिड़ गई ।

3)दोनों ही पुत्र अपने माता-पिता के <u>प्रिय</u> थे ।

4)शिवजी और पार्वती जी गणेश जी की <u>बुद्धि</u> की प्रशंसा किए बिना ना रह सके ।

5)गणेश जी अपने माता-पिता की सेवा करते हुए अपना समय <u>व्यतीत</u> करने लगे ।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

1) वाहन - सवारी
   गणेश जी का वाहन मूषक है ।
2) सृष्टि - संसार
   सृष्टि का पालन ईश्वर की कृपा से होता है ।
3) परिक्रमा - चारों और चक्कर लगाना
   मेरी माँ प्रतिदिन मंदिर की परिक्रमा करती है ।
4) स्वीकार- मंजूर
   माता-पिता के द्वारा लिया गया फैसला हमें स्वीकार करना चाहिए ।

5) व्याकुल- बेचैन

जब बच्चे समय पर घर नही लौटते तो माता-पिता व्याकुल हो जाते हैं ।